यूपी बोर्ड मॉडल पेपर - 2024

साहित्यिक हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट) [पूर्णांक : 100

<u>निर्देश - प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।</u>

1 . (क) कौन-सी कहानी 'अज्ञेय' की नहीं है?

(i) विपथगा,

(ii) वारिस,

(iii) कोठरी की बात,

(iv) शरणार्थी।

(ख) 'कल्पवृक्ष' रचना के लेखक का नाम है-

(i) कन्हैयालाल मिश्र,

(ii) जैनेन्द्र कुमार,

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल,

(iv) हरिशंकर परसाई।

(ग) धर्मवीर भारती का उपन्यास है-

(i) परख,

(ii) गुनाहों का देवता,

(iii) त्याग-पत्र,

(iv) कल्याणी।

(घ) 'सन्नाटा' के लेखक है-

(i) रामवृक्ष बेनीपुरी,

(ii) 'अज्ञेय',

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल,

(iv) जैनेन्द्र कुमार ।

(ङ) 'काम, प्रेम और परिवार' (जैनेन्द्र कुमार) की विधा है-

(i) निबन्ध,

(ii) कहानी,

(iii) उपन्यास,

(iv) संस्मरण ।

2. (क) 'कवि-वचन-सुधा' पत्रिका के प्रकाशक थे-

(i) जयशंकर प्रसाद,

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,

(iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी,

(iv) बालमुकुन्द गुप्त ।

(ख) छायावाद युग की रचना नहीं है-

(i) आँसू,

(ii) पल्लव,

(iii) साकेत,

(iv) झरना।

(ग) महादेवी वर्मा की रचना है-

(i) गंगावतण,

(ii) द्वापर,

(iii) यशोधरा,

(iv) नीहार।

(घ) 'कला और बूढ़ा चाँद के रचनाकार हैं-

(i) सुमित्रानन्दन पन्त,

(ii) जयशंकर प्रसाद,

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला',

(iv) महादेवी वर्मा।

(ङ) 'निराला' की रचना है-

(i) द्वापर,

(ii) लोकायतन,

(iii) इन्द्र धनु रौंदे हुए थे,

(iv) भारत-भारती ।

3. गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2 x 5 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियों नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घातों का निर्माण करना होता है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'घाटो का निर्माण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है?

(v) जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा गया है?

अथवा

मुझे मानव जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है। मनुष्य की जीवनी शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारी, विश्वासों, उत्सबों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश की जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध

है। शुद्ध केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा)। वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सबकुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मानव जाति की दुर्दम धारा का कितने वर्ष का रूप लेखक को दिखाई दे रहा है?

(iv) मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है और वह क्या करती चली आ रही है?

(v) जीने की इच्छा किसके समान किसे हजम करती चली आ रही है?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2 x 5 = 10

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य-खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के, मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज !

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सब लोग संसार में क्या खोजने आते हैं?

(iv) हे गाँधी जी आप इस जगती पर क्या खोजने आए?

(v) जगजनों और गाँधी जी में क्या अन्तर था? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा-
'धिक्कार! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा।'-"

"सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
जिस जननी ने है उ है जना भरत-सा भाई।"
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई-
"<u>सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।"</u>

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) किसको महास्वार्थ ने घेरा था?

(iv) सौ जन्मों तक किसका जीव क्या सुने?

(v) प्रभु के प्रभु के साथ कौन किस प्रकार चिल्लाई?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा : अधिकतम 80 शब्द)

(i) डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम,

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर',

(iii) जैनेन्द्र कुमार।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा: अधिकतम 80 शब्द)

(i) जगन्नाथदास रत्नाकर,

(ii) रामधारी सिंह दिनकर,

(iii) जयशंकर प्रसाद।

6 . खून का रिश्ता' अथवा 'कर्मनाशा की हार कहानी की कहानी-कला के आधार पर समीक्षा कीजिए। (शब्द सीमा: अधिकतम 80 शब्द)

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' के मुख्य पात्र का उल्लेख करते हुए उसके चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्नों का उत्तर दीजिए- (शब्द सीमा : अधिकतम 80 शब्द)

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'मृक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में राष्ट्रीय एकता तथा मानवमात्र के कल्याण का भाव निहित है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

खण्डकाव्य की विशेषताओं के आधार पर 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

"'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में उदात्त मानव मूल्यों का उद्घाटन हुआ है।" स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी के जीवन की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की रचना के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य एक सफल खण्डकाव्य है। खण्डकाव्य की विशेषताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य में भारतीय परम्पराओं का उद्घोष है।" स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 2+5=7

अतीते प्रथमकल्ये चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं शकुनयः सुवर्णहंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसंगे संन्यपतत्।

अथवा

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्व चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्वविद्भिः।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः ॥

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं वो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 2+2=4

(i) भोजः कविम् किम् अपृच्छत् ?

(ii) पुण्डरीकं कदा विकसति?

(iii) महर्षि दयानन्दस्य जन्म कस्मिन् स्थानेऽभवत् ?

(iv) महामना मालवीयः वाराणसी नगरे कस्य विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् ?

10. (क) करुण रस एवं 'अद्भुत' रस में से किसी एक रस की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए। 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।2

(ग) दोहा अथवा चौपाई का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए- 9

(i) मेरा प्रिय कवि।

(ii) विज्ञान और मानव-जीवन।

(iii) जीवन में खेल उपयोगिता।

(iv) पर्यावरण प्रदूषण: समस्या और समाधान।

(v) भारतीय लोकतन्त्र एवं राजनीति।

12. (क) (i) 'नयनम्' का सन्धि विच्छेद होगा-

(अ) ने + अनम्,

(ब) नय नम्,

(स) नै + अनम्,

(द) नय् + अनम्।

(ii) 'भावुकः' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) भौ + आवुकः,

(ब) भौ + उकः,

(स) भा + उकः,

(द) भा + बुकः ।

(iii) 'लब्धम्' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) लब् धम्,

(ब) लप् धम्,

(स) लभ् + धम्,

(द) लब्ध + अम्।

(ख) (i) 'महाजन' में समास है-

(अ) कर्मधारय,

(ब) अव्ययीभाव,

(स) बहुव्रीहि,

(द) द्विगु।

(ii) 'अनुरूपम्' में समास है-

(अ) अव्ययीभाव,

(ब) कर्मधारय,

(स) बहुव्रीहि,

(द) द्वन्द्व ।

13. (क) (i) कृत्वा' शब्द में प्रत्यय है-

(अ) तल्,

(ब) तव्यत्,

(स) अनीयर्,

(द) क्त्वा ।

(ii) 'श्रीमत्' शब्द में प्रत्यय है-

(अ) मतुप्,

(ब) तल्,

(स) अनीयर,

(द) क्त।

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए-

(i) <u>विद्यालयं</u> परितः उद्यानम् अस्ति।

(ii) <u>अग्नेय</u> स्वहा।

(iii) <u>विष्णवे</u> नम्ः ।

14. किसी विद्यालय में प्रबन्धक के नाम रिक्त लिपिक पद हेतु वांछित योग्यताओं का उल्लेख करते हुए आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने नगर के नगरपालिका अध्यक्ष को सफाई हेतु एक पत्र लिखिए।

*****